

डॉ. अगस्त कोकेल, इतिहास, सत्र 12, सुलैमान राजा बन जाता है

© 2024 गस कोकेल और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. ऑगस्ट कुंकेल द्वारा इतिहास की पुस्तकों पर दिए गए अपने उपदेश हैं। यह सत्र 12 है, सुलैमान राजा बन जाता है।

इतिहासकार अब दाऊद के वृत्तांत के समापन पर आ रहे हैं और जिस तरह से उन्होंने परमेश्वर के राज्य को समझने के लिए हमारे लिए तैयारी की है।

हाँ, वह एक साम्राज्य निर्माता था, लेकिन दाऊद ने जो किया वह मुख्यतः परमेश्वर के राज्य की तैयारी करना था और जो उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने जा रहा है वह उस वादे पर आधारित है जो परमेश्वर ने नाथन को दिया था। तुम दफनाए जाओगे। तुम अपने पिताओं के साथ रहोगे, लेकिन तुम्हारा बेटा ही तुम्हारे सिंहासन पर बैठेगा, और वह एक शाश्वत राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाला होगा।

अब, बेशक, वह शाश्वत राज्य हम भजनों में देखना शुरू करते हैं, जैसे कि भजन अध्याय 2 में, जो सुलैमान से कहीं आगे जाता है, लेकिन सुलैमान इस राजा का मुख्य प्रतिनिधि है। मैं आपको भजन 2 के बारे में थोड़ा याद दिलाना चाहता हूँ क्योंकि यह भजन संहिता का मुख्य भाग है ताकि हमें भजन संहिता के बारे में सब कुछ पता चल सके, खासकर पहले 89 अध्यायों में। राष्ट्र क्यों उठते हैं, और लोग ऐसी व्यर्थ बात क्यों सोचते हैं? वे क्यों कहते हैं कि हम परमेश्वर पर कोई ध्यान नहीं देते? आइए हम इन रस्सियों और इन बेड़ियों को तोड़ दें जो हमें बांधती हैं।

हम वही करेंगे जो हम करना चाहते हैं, और जो स्वर्ग में बैठा है वह हंसेगा। यह कोई हास्य की हंसी नहीं है। प्रभु उनका उपहास कर रहे हैं।

ये लोग अपने साधारण राज्यों के साथ खुद को कौन समझते हैं जो उन्हें परमेश्वर के राज्य के विरुद्ध खड़ा कर रहे हैं, जो कि प्रभु है? यह भजन 2 का अंगीकार है। जिसे परमेश्वर ने अभिषिक्त किया है, वह भजन 2 के तीसरे भाग में बोलता है। मैंने अपने राजा का अभिषेक सिय्योन पर्वत, मेरी पवित्र पहाड़ी पर किया है। वह वही है जो राष्ट्रों को ऐसे कुचल देगा जैसे कुम्हार बेकार बर्तनों को कुचल देता है। यही वह है जो शासन करता है।

इसलिए, हे राजाओं, बुद्धिमान बनो, पुत्र की आराधना करो। वह परमेश्वर का पुत्र है, जो परमेश्वर के राज्य का प्रतिनिधित्व करता है, कहीं ऐसा न हो कि वह क्रोधित हो जाए और तुम अपने मार्ग में, अपने जीवन के मार्ग में नाश हो जाओ। तो, यहाँ दाऊद जिस बारे में बात कर रहा है, वह भजन संहिता के केंद्र में है।

यह इस बात का केंद्र है कि ये लोग परमेश्वर के राज्य को क्या समझते हैं। 1 इतिहास की पुस्तक के ये दो अंतिम अध्याय वास्तव में बहुत, बहुत महत्वपूर्ण हैं। और यदि आप 1 इतिहास के सभी अध्यायों के महत्व का सार समझना चाहते हैं, तो इन दो अध्यायों पर वास्तविक विचारशीलता के

साथ मनन करें क्योंकि यहाँ दाऊद ने सुलैमान को दिए गए अपने निर्देशों में वह सब कुछ दोहराया है जो वास्तव में महत्वपूर्ण है, वह सब कुछ जो आपको उसके राज्य के बारे में जानने की आवश्यकता है।

इस राज्य का प्रतिनिधित्व भजन 2 के बयानों में किया गया है। यह उसके बारे में नहीं है, और यह सुलैमान के शासनकाल के साथ संयुक्त नहीं है। यह 2 इतिहास की पुस्तक में स्पष्ट हो जाएगा, जिस पर हम अब आगे बढ़ेंगे। वास्तव में, सुलैमान का राज्य बहुत खुशहाल तरीके से समाप्त नहीं होता है, और हिजकिय्याह के समय तक के बाकी राजा वास्तव में वफादारी का एक मिश्रित उदाहरण हैं, जैसा कि हम देखने जा रहे हैं।

हालाँकि, यह पूरी कहानी उससे कहीं ज़्यादा है। यह भजन 2 की कहानी है। इसलिए, यहाँ दाऊद सभी लोगों को याद दिलाता है कि भजन 2 में क्या कहा गया है। अध्याय 22 में दाऊद ने व्यक्तिगत रूप से सुलैमान को ज़िम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन अब दाऊद इस्राएल के सभी प्रतिनिधियों, सभी नेताओं, उन सभी को इकट्ठा करता है जो परमेश्वर के इस महान राज्य से संबंधित हैं और अपने सभी परिवारों और लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

वहाँ, वह उन्हें बताता है कि सुलैमान ही वह व्यक्ति है जिसे परमेश्वर के राज्य के सिंहासन पर शासन करने के लिए चुना गया है। और मैं यह बताना चाहता हूँ कि ये मेरे शब्द नहीं हैं। ये वे शब्द हैं जो आपको 2 इतिहास अध्याय 28 के वास्तविक पाठ में मिलते हैं।

इसलिए उन्हें अनदेखा न करें। वास्तव में, यह दिलचस्प था कि जब मैं इतिहास पर अपनी टिप्पणी का मसौदा तैयार कर रहा था, तो मैंने परमेश्वर के राज्य का उल्लेख किया, और संपादकीय प्रश्नों में से एक था, अच्छा, क्या यह वास्तव में इतिहास के लिए उपयुक्त वाक्यांश है? और फिर संपादकीय समिति में अन्य लोग थे, और मुझे यह उन नोटों से पता चला जो मुख्य संपादक ने मुझे भेजे थे, जिन्होंने बताया, ठीक है, हाँ, परमेश्वर के राज्य का वास्तव में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। अब, 28 उन सबसे स्पष्ट संदर्भों में से एक है, लेकिन यदि आप उन सभी अलग-अलग स्थानों को जोड़ना शुरू करते हैं जहाँ इतिहासकार यहोवा के राजा के सिंहासन पर बैठने वाले व्यक्ति का संदर्भ देता है, तो यह बार-बार है कि दाऊद कह रहा है, सुलैमान, यह तुम्हारा राज्य नहीं है।

यह वह वादा है जो परमेश्वर ने मुझे दिया है, और तुम्हें एक ऐसे राज्य में शासन करने के लिए चुना गया है जो तुम्हारा नहीं है। इस बात की तैयारी कर ली गई है कि तुम उस शासन को कैसे चलाओगे। और तुम्हें यह याद रखना होगा कि तुम्हारे शासन और तुम्हारे राज्य के साथ चाहे जो भी हो, जिस राज्य का तुम प्रतिनिधित्व करते हो वह खत्म नहीं होने वाला है, और हम जानते हैं कि यह खत्म नहीं होने वाला है क्योंकि नाथन नबी ने कहा था कि यह खत्म नहीं होने वाला है, क्योंकि परमेश्वर ने कहा था कि वह मेरे लिए एक घर बना रहा है, और यह हमेशा के लिए रहने वाला है, और यह मुझे नबी से मिला है।

और इसलिए, याद रखें कि आप कौन हैं। वास्तव में, इतिहास में बहुत कुछ है। जितना यह सुलैमान की प्रशंसा करता है और उसे सबसे महान राजा के रूप में प्रस्तुत करता है, उतना ही साथ ही, यहाँ बहुत कुछ ऐसा है जो सुलैमान को लगातार याद दिलाता है कि वह कौन है।

वह कोई महान विजेता नहीं है। वह मिस्र के शक्तिशाली सम्राटों और मेसोपोटामिया के राजा हम्मुराबी और इनमें से कुछ अन्य लोगों की तरह होने का दावा नहीं कर सकता, जिन्होंने अपनी सैन्य ताकतों के दम पर इन महान साम्राज्यों की स्थापना की। आप ऐसे नहीं हैं।

आपने इस क्षेत्र को अपने नियंत्रण में नहीं लिया, और आप जो प्रतिनिधित्व करते हैं वह इस साम्राज्य के क्षेत्र से कहीं अधिक है। तो, सुलैमान वास्तव में यहाँ है, उसे अपनी भूमिका के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी है। अब, उसकी भूमिका निर्देशों का पालन करना है।

आप जानते हैं, मुझे लगता है कि निर्देशों का पालन करना सबसे कठिन कामों में से एक है। मुझे निर्देशों का पालन करना बहुत कठिन लगता है। आम तौर पर, हम निर्देशों से ज़्यादा जानते हैं।

असल में, मेरी आदत है कि जब भी मैं कुछ खरीदता हूँ और उसे जोड़ना होता है, जैसे कि मेरा कैंटिलीवर छाता या कुछ और, तो मैं निर्देशों को एक तरफ रख देता हूँ और फिर यह पता लगाता हूँ कि इन सभी टुकड़ों को एक साथ कैसे फिट किया जाना चाहिए। और मुझे हमेशा इसके लिए डांटा जाता है क्योंकि मैं वास्तव में इतना होशियार नहीं हूँ कि मैं सभी निर्देशों को अनदेखा कर सकूँ। और यह सच है, मैं इतना होशियार नहीं हूँ कि मैं सभी निर्देशों को अनदेखा कर सकूँ।

लेकिन मुझे लगता है कि मैं बेहतर जानता हूँ और मैं खुद ही इसका पता लगा सकता हूँ। वैसे, सुलैमान को शुरू से ही डेविड ने बताया है कि यह आपकी योजना नहीं है। आप यह तय नहीं कर रहे हैं कि भगवान का यह चित्रण कैसा दिखेगा।

आप यह तय नहीं कर रहे हैं कि परमेश्वर का यह मंदिर किस बारे में होगा। और इसलिए दाऊद ने सभी योजनाएँ दी हैं, और इन आयतों का विस्तार से वर्णन किया गया है। हम सुलैमान के मंदिर निर्माण में उन्हें देखने जा रहे हैं कि इस मंदिर की संरचना कैसी होनी चाहिए, इसे किस तरह से दिखना चाहिए।

फिर, अध्याय 29 में डेविड इस बारे में बात करता है कि आपके पास न केवल योजना है, बल्कि आपके पास सामग्री भी है। तो, आपका काम क्या है? यह सुनिश्चित करना कि यह पूरा हो जाए। यह आपका काम है।

सुनिश्चित करें कि यहाँ एक मंदिर है जो संगीत के साथ ईश्वर की आराधना और इस सबसे पवित्र स्थान द्वारा दर्शाई गई सभी गवाही का प्रतिनिधित्व करता है। यह वास्तव में काफी गहरा है। और हम इस बारे में बात करने जा रहे हैं जब हम मंदिर के निर्माण के लिए सोलोमन की संरचना पर आते हैं।

फिर, निष्कर्ष में, दाऊद ने सुलैमान को आशीर्वाद प्रदान किया। यहाँ प्रावधान है। यहाँ योजना है। अब वह दो बार कहता है, मेरा बेटा सुलैमान युवा और अनुभवहीन है।

निश्चित रूप से मैं इस दुनिया में बाकी सभी लोगों के बारे में ऐसा ही महसूस करता हूँ। मैं 73 साल का हूँ, और बाकी सभी युवा और अनुभवहीन हैं। वे वास्तव में वे सभी चीजें नहीं जानते जो उन्हें जाननी चाहिए।

लेकिन सच तो यह है कि हममें से कुछ लोग जो इस तीर्थयात्रा में कुछ दशकों से शामिल हैं, वे वास्तव में कुछ मोड़ों से गुज़रे हैं। और हम जानते हैं कि किस तरह के अप्रत्याशित आश्चर्य होते हैं। इसलिए, डेविड सुलैमान को स्पष्ट निर्देश दे रहा है: बहुत ज़्यादा अनुमान मत लगाओ, जो तुम्हें बताया गया है वही करो, और तुम धन्य हो जाओगे।

यहाँ, दाऊद सुलैमान को यह बहुत ही गहरा आशीर्वाद देता है, जिस तरह से परमेश्वर उसे और उसके जीवन को सम्मान देगा जब वह यह सब कार्य करेगा। फिर, हमारे पास सुलैमान को राजा के रूप में वास्तविक रूप से स्थापित करने का दृश्य है। इसलिए, इससे पहले कि दाऊद क्रॉनिकलर के इतिहास को छोड़ दे, हम देखते हैं कि दाऊद सुलैमान को राजा बनने के लिए स्थापित करता है।

पूरे इस्राएल में एक महान उत्सव मनाया जाता है, और सुलैमान को परमेश्वर के सिंहासन पर शासक बनाया जाता है। यदि आप राजाओं की पुस्तक पढ़ते हैं, तो ऐसा नहीं लगता कि यह बिल्कुल इस तरह से हुआ। हम अदोनियाह की कहानी जानते हैं, और हम जानते हैं कि जब दाऊद काफी अक्षम हो गया और अब राजा के रूप में कार्य नहीं कर सकता था, तो अदोनियाह ने अपने चारों ओर एक पुजारी और कुछ योद्धाओं को इकट्ठा किया, और उसने उस घाटी में एक बड़ा उत्सव मनाया जिसमें उसने खुद को राजा घोषित किया था।

नाथन को बतशेबा को याद दिलाना पड़ा कि वह दाऊद से बात करे क्योंकि सुलैमान को उत्तराधिकारी और राजा बनना है। यह सब राजनीतिक पहलू है।

यह चीज़ों का मानवीय पक्ष है। वे इसी तरह से घटित होते हैं और अक्सर जिस तरह से वे काम करते हैं, वह बहुत सुखद नहीं होता। क्रॉनिकलर चाहता है कि हम देखें कि भगवान के मन में हमेशा से क्या था।

और परमेश्वर के मन में हमेशा यही था कि दाऊद जानता था। अब, 1 राजा में, इसमें कोई संदेह नहीं है कि दाऊद जानता था। जब उसे बाथशेबा और सुलैमान से किए गए वादे की याद दिलाई जाती है, तो वह उसे पूरा करता है, और सुलैमान राजा बन जाता है, और अदोनियाह विद्रोह करने के अपने प्रयास के कारण बहुत ही दुखद अंत को प्राप्त करता है।

इतिहासकार को यह सब दोहराने की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि परमेश्वर उन सभी गड़बड़ घटनाओं में जो कर रहा था वह दाऊद से किया गया अपना वादा पूरा करना था जो यह है कि सुलैमान को राजा बनाया जाएगा। और इसलिए, इतिहासकार के दृष्टिकोण से, दाऊद ने सुलैमान को कार्यभार सौंपा। उसने सुलैमान को आशीर्वाद दिया और फिर उसने सुलैमान को परमेश्वर के राज्य पर सिंहासनारूढ़ किया।

फिर हमारे पास डेविड के शासनकाल का समापन और जिस तरह से इसे दर्ज किया गया है, और यह कुछ ऐसा है जो इतिहासकार की विशेषता बनने जा रहा है, जिस तरह से इसे सभी अभिलेखों में दर्ज किया गया है। यहाँ जो दिलचस्प है, और इस पर कुछ सावधानीपूर्वक अध्ययन किए गए हैं, वह यह है कि इतिहासकार द्वारा संदर्भित सभी अभिलेख वास्तव में वही अभिलेख हैं जो हमारे पास किंग्स में हैं। इतिहासकार अक्सर उन भविष्यवक्ताओं के नाम देता है जिन्होंने इन अभिलेखों को लिखा था, लेकिन वे भविष्यसूचक अभिलेख हैं।

ये शाही रिकॉर्ड नहीं हैं। राजा अपने शासनकाल का ऐसा लेखा-जोखा नहीं रखते। वे अपने बारे में ये सारी बुरी बातें नहीं बताते।

भविष्यवक्ता ऐसा करते हैं। लेकिन इतिहासकार इन सभी शाही अभिलेखों का उपयोग करता है, और वह इन अभिलेखों का उपयोग करके दाऊद के बारे में बताने के तरीके के बारे में बात करता है। और बेशक, यह बहुत स्पष्ट है कि उसने इन अभिलेखों और बहुत से अन्य अभिलेखों का उपयोग किया जो उसके पास उपलब्ध थे ताकि हमें वह विवरण दे सके जो वह हमें इस्राएल और परमेश्वर के राज्य के बारे में देना चाहता था।

इसलिए, हमने वास्तव में इतिहासकार के इतिहास के कुछ प्रमुख आधार स्थापित किए हैं। हमने येहुदा में इन लोगों की पहचान स्थापित की है। वे फारसियों द्वारा तिरस्कृत हो सकते हैं या फारसियों द्वारा इस्तेमाल किए जा सकते हैं और अम्मोनियों और सामरी लोगों और बाकी सभी लोगों द्वारा तिरस्कृत किए जा सकते हैं, लेकिन उन्हें इन सभी को परिप्रेक्ष्य में रखना होगा।

उन्हें यह जानना होगा कि वे कौन हैं। वे इसराइल हैं, और वे सभी इसराइल हैं। और फिर उन्हें अपनी विरासत को जानना होगा।

उनके पास एक अविश्वसनीय विरासत है। वे जो पीछे देखते हैं वह उनके मंदिर का विनाश और उनके राज्य का अंत है। लेकिन इतिहासकार कहते हैं, आप जानते हैं, यह कभी भी वास्तविक मुद्दा नहीं होता है।

ईश्वर को आपकी राज्य बनने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। ईश्वर को आपकी एक राष्ट्र बनने में दिलचस्पी थी, और एक राष्ट्र के रूप में, आप उसके राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, और यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप एक राज्य या साम्राज्य हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप जानते हैं कि ईश्वर आपका राजा है, और जब आप ईश्वर को अपना राजा बनाते हैं, और आप अपने राजा की पूजा करते हैं, तो आप अपना महत्व, अपनी महत्ता जानते हैं, और आप ही वे लोग होंगे जो अन्य सभी महान सैन्य शक्तियों की तुच्छता को इंगित करेंगे और दिखाने आएंगे, जो समाप्त होने जा रही हैं।

हममें से ज्यादातर लोग एक भी फ़ारसी राजा का नाम नहीं बता सकते, जिसने अपने समय में येहुदा के निवासियों को इतना भयभीत कर दिया था। हममें से कुछ लोगों ने सिकंदर महान के बारे में सुना है, लेकिन हम शायद उसके उत्तराधिकारियों में से किसी एक का भी नाम नहीं बता सकते। हम शायद कुछ रोमन सम्राटों के नाम जानते हों, जैसे कि सीज़र ऑगस्टस और इसी तरह के अन्य।

बस इतना ही। हम इन सभी महान और शक्तिशाली साम्राज्यों के बारे में इतना ही जानते हैं। इतिहासकार यह जानता है।

वह हमें भजन 2 की याद दिलाता है। राष्ट्र क्रोध करते हैं। वे आगे बढ़ते हैं, वे उठते हैं, वे गिरते हैं।

और जो राष्ट्र अब हमारे आस-पास शक्तिशाली हैं, वे इस बारे में कोई गलती नहीं करते। वे उन सभी राष्ट्रों की तरह ही हैं जो हमसे पहले आए हैं। हम, इतिहासकार की तरह, एक अलग तरह के राज्य से संबंधित हैं। और यही बात 1 इतिहास के इन अंतिम दो अध्यायों में बताई गई है।

और यही वह बात है जिसे हमें उन्हें पढ़ते समय याद रखना चाहिए। इसलिए मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ, अगर वंशावली के बारे में सब कुछ जानना इस्राएल के इतिहास को समझने के मामले में थोड़ा हतोत्साहित करने वाला है, तो 28 और 29 से शुरू करें। उन पर विचार करें क्योंकि वे आपको बता रहे हैं कि आप कौन हैं और आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है और आपको अपने आस-पास की इन सभी उग्र शक्तियों के बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए।

आप अपने मंदिर में जिस तरह से परमेश्वर की आराधना करते हैं, उससे आप परमेश्वर के राज्य को दिखाते हैं। यही वह बिंदु है जिस पर हम चर्चा करने जा रहे हैं। इसलिए, मैं 1 इतिहास को एक छोटे से उपदेश के साथ समाप्त करता हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि इतिहासकार को इस बात से खुशी होगी कि मैं एक छोटे से उपदेश के साथ समाप्त करूँ क्योंकि वह वास्तव में यही चाहता है कि आप जानें।

हम ईश्वर के राज्य का हिस्सा हैं।

यह डॉ. ऑगस्ट कुंकल द्वारा इतिहास की पुस्तकों पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 12 है, सुलैमान राजा बन जाता है।